

Wrong Address in Grand Total

from 2.4.31 535 = 574 = 30

No. J/A

but posted 575 = 25
diff. equal to 05 marks

0394990

Revised Total 79 + 05

Swamy Nitya Plus 79 = 84

इन्टरमीडिएट परीक्षा, 2015

आई.ए. (I.A.)

28 पृष्ठों की उत्तरपुस्तिका

वीक्षक का हस्ताक्षर

केन्द्राधीक्षक
उच्च विद्यालय दुग्दा बोकारो
केन्द्राधीक्षक का हस्ताक्षर
एवं मुहर

[हाशिया (Margin) छोड़कर पन्नों के दोनों पृष्ठों पर लिखें]

रोल कोड (Roll Code)	क्रमांक (Roll No.)	पंजीयन संख्या (Registration No.)		विषय (Subject)	पत्र (Paper)	लिपि (Script)	तिथि (Date)
		No.	वर्ष (Year)				
25042	30001	25042-RA -0001	-2013	Pol. Science		देवनागरी	3-3-15

लब्धांक (MARKS OBTAINED)

Question Number	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	TOTAL
Marks Obtained	01	01	01	01	01	01	01	01	01	01	10
Question Number	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
Marks Obtained	00	01	02	02	04	01	02	02	01	02	15
Question Number	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
Marks Obtained	03	03	03	03	02	03	03	03	03	03	29
Question Number	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
Marks Obtained	05	05	05	05	05						25
Grand Total	(In Words) Eighty four nine										(In Figure) 84

परीक्षार्थी हेतु निर्देश

- परीक्षार्थी ध्यान दें कि केवल एक ही उत्तर-पुस्तिका में पूरे प्रश्नों का उत्तर सीमित करना है। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी।
- उत्तर लिखना शुरू करने के पहले प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अपनी उत्तर-पुस्तिका के आवरण पृष्ठ पर अपना रोल कोड, रोल नं., पंजीयन संख्या एवं वर्ष, विषय, पत्र, लिपि तथा तिथि लिखना अनिवार्य है। परन्तु परीक्षार्थी को अपना अथवा अपने कॉलेज का नाम कदापि नहीं लिखना है। परीक्षार्थियों को चेतावनी दी जाती है कि जिस उत्तर-पुस्तिका पर रोल कोड, क्रमांक और सूचीकरण संख्या स्पष्ट रूप से अंकित न होगी, उसे जाँची नहीं जायेगी।
- यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा में दूसरे को सहायता करता या किसी प्रकार से अवैध सहायता लेने की चेष्टा करता हुआ अथवा परीक्षा में अनुचित लाभ उठाने के लिए किसी दूसरे अवैध उपाय का अवलम्बन करता हुआ पाया जायेगा तो उसे परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा। परीक्षा में परीक्षार्थियों को परस्पर किसी प्रकार से विचार विनिमय का अधिकार न होगा। परिषद द्वारा दिये गए प्रवेश पत्र, उत्तर-पुस्तिका, प्रश्न-पत्र तथा नियमानुसृत निर्दिष्ट उपकरणों के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को अपने साथ परीक्षा कक्ष में मोबाइल, कैलकुलेटर, छाता, पुस्तक, किसी प्रकार का पत्र, पॉकेट बुक, नोट आदि या किसी भी प्रकार का कागज रखना वर्जित है। परीक्षा में उसका सम्बन्ध उस समय की परीक्षा के विषय से हो या न हो। इसका उल्लंघन करने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा।
- लिखने का सम्पूर्ण काम उत्तर-पुस्तिका पर ही किया जाय और उसका कोई भी पृष्ठ फाड़ा न जाय। परीक्षा खत्म होने के बाद उत्तर-पुस्तिका वापस लौटा देना आवश्यक है। इस उत्तर-पुस्तिका के बदले दूसरी उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जा सकती। जो लिखावट काटी हुई रहेगी उसकी जाँच नहीं होगी। उत्तर-पुस्तिका में यदि कोई फटा पृष्ठ मिले तो उसे निकाल नहीं देना चाहिए बल्कि वीक्षक को दिखाकर उसे मोड़ देना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र पर कोई उत्तर या कोई भी वृत्तगी बात लिखना वर्जित है।
- प्रश्न-पत्र वितरण के बाद एक घंटे तक कोई भी परीक्षार्थी अपनी उत्तर-पुस्तिका वापस नहीं कर सकते हैं।

नोट - प्रत्येक पृष्ठों में अंकित दोनों हाशिया (Margin) के बीच में प्रश्नों का उत्तर लिखें।

Priji Pathak

परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर

(Full Signature of Examiner with Seal)

Priji Pathak

+2 H/S Chakradharpur

प्राधान परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर

(Full Signature of Head Examiner with Seal)



"जय माँ सरस्वती"

"OBJECTIVE ANSWERS"

"GROUP-A"

1. Ans a) तैलगु
2. Ans b) अल्पीरिया
3. Ans a) पाम्पु करमरि
4. Ans b) गरीबी हटाओ
5. Ans b) चीन
6. Ans c) कोंग्रेस
7. Ans d) अल्हाबाथ लीट
8. Ans a) इटली
9. Ans c) अमेरिका
10. Ans a) नागासाकी

"Group-D"

35. Ans:- The Naxalite movement in india :-

भारत में नक्सलवादी आन्दोलन की शुरुआत नक्सली दलों में हुई। इसलिए इसे "Naxalite Movement" कहा जाता है। (नक्सली आंदोलन 1969 ई० में)



नक्सलीयों ने C.P.I (M) को छोड़कर C.P.I
लेनिनवादी नामक समूह में शामिल
हो गए।

उद्देश्य "गरीबी और अमीरी के
बीच बढ़ती खाई को दूर करना
था"।

नक्सलवादी आंदोलन के
अंतर्गत नक्सलवादीयों ने अमीरी से
उसकी प्रमीनी को बलपूर्वक छीनकर
गरीबी में बाँट दिया तथा इसके
लिए नक्सलवादीयों ने हिंसक
तरीकों को अपनाया। जो
धीरे-धीरे भयानक रूप धारण
कर रही थी।

नक्सलवादीयों के
इस गुणविधिय से सरकार की
परेशानी काफी बढ़ गयी थी,
क्योंकि यह मामला दिन-ब-दिन
आपक रूप धारण कर रहा था। जो
बड़े पैमाने में देश का कारण
बना। यह विषय सरकार के लिए
एक चिन्ता का विषय बन गया।
जिसके फलस्वरूप उन्होंने नक्सलीयों
को रोकने के लिए कई
तक़्क़ा काम उठाए किंतु सारी
कोशिशें विफल रही।

(2)



भारत की सरकार ने नक्सलीयों के कारागारों में भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर "निवारण कार्यक्रम" को प्रयोग में लाया, किंतु इस कानूनी कार्यवाही के बावजूद नक्सलीयों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा, अर्थात् ये कोशिशें भी सफल होने से रही।

भारत में नक्सलवादी हमलों का आधा भी कुछ क्षेत्रों में होते रहते हैं। आधिकारिक आंकड़ों में जंगली इलाकों, बिहड़ इलाकों एवं छाते जंगली पर होती है। (2)

भारत में आज कई नक्सली संगठनों का उदय हो रहा जो राजनीतिक क्षेत्र से भी प्रभावित हो रही हैं। आज भी लगभग 4, 5 लाखों के 75 जिलों में नक्सली आंदोलन से प्रभावित हो रहे हैं। इसकी समस्या आज के युग भी बनी हुई है।

☆ "Conclusion" उपर्युक्त चर्चित विवेचनाओं को आधार पर हम कह सकते हैं कि Naxalite Movement एक खतरा का विषय



बन गया। जो मानव जाति की संघार का शिकार बन रही है।
 Government के कार्य भी कई
 प्रशासनिक कोशिशों की जा
 रही हैं। जिससे भारत में
 नक्सली आंदोलन पर अंकुर
 लगाया जा सके।

(2)

उप. Ans

Essay On Indian Dalit Movement:-

भारतीय दलित आंदोलन की शुरुआत
 "1970 दशक" के "1972" ई० में हुई
 थी।

भारतीय दलित आंदोलन की
 शुरुआत सर्वप्रथम "महाराष्ट्र" में
 हुई। फिर धीरे-धीरे ये
 आंदोलन एक व्यापक रूप धारण
 कर ली।

भारतीय दलित आंदोलन
 शहर में रहने वाले "बुद्धिजीवी"
 "आपड़ियों" के "शिक्षित दलितों"
 के द्वारा हुई थी।

अंतर्गत दलित आंदोलन के
 साथ ही
 एक नए समय से जाति
 के विरुद्ध की लड़ाई थी।

(2)



★ दलित आंदोलन के कारण :-

दलित आंदोलन होने के कारण ती
जड़ी थे किंतु उसका समाधान
बहुत कम थे।

(i) दलितों ने भारतीय समय पर लंबे
समय से ही रहे शासन
के विरुद्ध अपनी मांग रखी।

(ii) दलितों द्वारा सामाजिक न्याय के
लिए भी अपने हक की
मांग रखी गई।

(iii) दलितों ने खेसरील संस्थाओं तथा
राजनीति पर अपने आरक्षण
की मांग रखी।

(iv) दलितों के साथ धार्मिक स्थलों पर
भेदभाव किया जाता है जिसके
विरुद्ध उन्होंने धर्म के नाम
पर ही रहे अन्याय की
लड़ाई लड़ी।

(v) दलितों ने सामाजिक, आर्थिक,
राजनीतिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों
में भी अपना अधिकार मांगा।



☆

दलित आंदोलन का समाधान :-

दलित आंदोलन को समाप्त करने के लिए कई महात्माओं ने अपना योगदान प्रस्तुत किया तथा सरकार के द्वारा कई काम उठाए गए :-

(i) दलितों की आरक्षण की व्यवस्था की गई।

(ii) दलितों की शिक्षा के क्षेत्र 15% का आरक्षण सरकार के द्वारा दिया गया।

(iii) दलितों में ही रहे सामाजिक अन्याय को समाप्त करके उन्हें सामाजिक न्याय की व्यवस्था दी गई।

(iv) दलितों के लिए महात्मा बुद्ध से महात्मा गांधी तक ने आवाज उठाया।

(v) दलितों को अधिकार दिलाने के लिए लीजनायक लक्ष्मण प्रकाश नारायण के द्वारा संपूर्ण क्रांति का गठन किया गया।

☆

Conclusion :- भारतीय दलित आंदोलन एक Universal Movement बन गया जिसके समाधान के लिए कई काम उठाए जा रहे हैं।



33. Ans " Language is a challenge to the Nation :-

॥ भाषा राष्ट्र निर्माण ॥ में एक चुनौती है क्योंकि आप भाषा के आधार पर राज्यों को मांग एवं राज्यों का निर्माण किया जा रहा है।

भारत के लिए दैतवाद् की धातक माना गया है और दैतवाद् का प्रथम प्रकार भाषात्मक दैतवाद् है जिससे आप भाषा के नाम पर राज्यों का गठन किया जा रहा है।

भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, जहाँ अनेक प्रकार की भाषाएँ, जातियाँ, जनजातियाँ, संस्कृति, धर्म के लोग एकता के सुत में बंधे हुए हैं तथा जवाहर लाल नेहरू ने भी इसकी परिभाषा देते हुए कहा है कि - "सभी जातों के सुत में बंधे हुए हैं।"

India is a large Country. अर्थात् प्र. भारत एक बड़ा राज्य है।



शुरु से शुरू की राष्ट्र निर्माण के लिए भाषा
है। एक चुनौति बनी

आप भाषा के आधार
पर राज्यों की मांग बढ़ती जा
रही है। सर्वप्रथम भाषा के आधार
पर आंध्र प्रदेश का गठन हुआ था
जिसके पश्चात् भाषा के आधार
पर कई राज्यों की मांग
होने लगी।

भाषा राष्ट्र निर्माण के
अंतर्गत कोई अन्य राज्यों हितों
का ध्यान में न रखते हुए
केवल अपने राष्ट्रहित के
बारे में साचता या भारतीय
राजनीति के लिए एक बहुत बड़ा
घातक बन रहा है।

भारत में लगभग
846 भाषाएँ बोलੀ जाती हैं तथा
इनमें से बोलियाँ बोलती जाती
हैं। आप भाषा के नाम पर
भी भारतीय राजनीति को विभक्त हो
रही क्योंकि भाषा के नाम
पर आप नेताओं ने अपनी
स्वार्थ की राजनीति करनी
शुरु कर दिए हैं।

(2)



Page No. _____

★ Conclusion :- इस प्रकार उपर्युक्त विवेचनाओं के आधार पर हम कह सकते हैं। भाषा राष्ट्र निर्माण के लिए एक बहुत बड़ी चुनौति है।

32. Ans. - Essay on Non Aligned Movement

भारत में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की शुरुआत शीतयुद्ध (Coldwar) के दौर में प्रारंभ हुई थी।

गुटनिरपेक्ष के जनक पंडित जवाहर लाल नेहरू थे।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में दो महाशक्तियों के देशों के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ उभरा था। दोनों विरोधी देश थे।

संयुक्त राज्य अमेरिका "Nato" का गठन 1949 ई० में और सोवियत संघ ने Warsaw pact (वार्सायुक्त संघ) का गठन 1955 ई० में किया था।



के कारण दोनी देशों में बढ़ते तनाव का निमार्ण किया था।

अर्थ किसी भी गुलनिरपेक्षता का मुख्य अर्थ किसी भी राज्य का महाशक्तियों के सैनिक गुले से दूर रहना था।

गुलनिरपेक्षता के आन्दोलन में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि किसी भी गुल न शामिल न होना तथा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अपना प्रगति करते रहना।

गुलनिरपेक्ष आंदोलन के दौरान सभी राज्यों से साहाय्यपूर्ण संबंध बनाए रखना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी देशों के साथ संबंध बनाए रखना था।

दोनी महाशक्तियों अपने सैनिक गुले में कई राज्यों को शामिल कर और शक्तिशाली बनना चाहती थी। किंतु भारत ने उनके सैनिक गुले से शामिल होने में साफ़ इन्कार कर दिया। भारत किसी भी देश के साथ जुड़ता या संबंध नहीं

(2)



रखना चाहता था। भारत सभी के साथ मधुर संबंध स्थापित करना चाहता था।

★ Conclusion:- इस प्रकार गुलनिरपेक्ष आंदोलन की भावना काही सक्रिय रही। किन्तु वर्तमान में भारत ने दोनो महाशक्तियों के साथ व्यापार तथा व. मितता की Treaty कर रहे हैं। (2)

31. Ans "The Jamata party government formed due to Emergency but it could not last long." :-

आपातकाल के कारण जनता पार्टी की सरकार तो बन गई, किन्तु यह बड़े समय तक नहीं चल सकी। क्योंकि आपातकाल की घोषणा सीमली इंडिरा के द्वारा करवा ली गई थी। अर्थात् सिफारिश पर 25 जून 1975 ई० में की थी।

इंडिरा गाँधी ने 18 माह तक आपातकाल की घोषणा कर दी



थीं। जिसके कारण भारत अपने कार्य तथा महंगाई की समस्याओं में डूब डूब गई थी। (2)

भारत में कार्य करने के बावजूद अपने स्थिति को नहीं उठा पाए थे। इन्हीं हालातों के कारण जनता ने जलदबाजी में जनता पार्टी की सरकार को निर्वाचित किया। किंतु यह पार्टी लंबे समय तक नहीं बन सकी।

भारत की स्थिति आपातकाल के दौरान काफी दैनिक हो गई थी जिससे उभर पाना बहुत कठिन था। जिसके तत्पश्चात् इंदिरा गांधी ने कई नारों की घोषणा की जैसे - गरीबी हटाओ नारा प्रिन्स परी, बेरोजगार हटाव इत्यादि नारे लगाए।

इंदिरा गांधी ने सभी की आर्थिक स्थिति को सुधारने का वायदा कर घर - घर में अपनी शोचता की गृहार लगायी। जिससे लोग जनता पार्टी की ओर आकर्षित हुए और "कांग्रेस" इंदिरा का गौंधी के नेतृत्व समर्थन बड़े पैमाने पर किया था। (2)



इस प्रकार जनता पार्टी भारत की उम्मीदवार के रूप में अपनी भूमिका अहम नहीं निभा पायी थी।

पिछले कालस्वरूप लोगों ने जनता पार्टी का समर्थन लंबे समय तक नहीं किया था। इसी कारण जल्द ही जनता पार्टी की सरकार लंबे समय नहीं बन पायी।

☆ Conclusion :-

इस प्रकार जनता ने जनता पार्टी की सरकार को आपात-काल के दौरान निर्वाचित किया गया। किंतु यह पार्टी लंबे समय तक नहीं बन पायी थी।

5 जनता ने बी. जे. पटेल पर इंदिरा गांधी का समर्थन किया तथा उन्हें उचित समझा तथा कि इंदिरा गांधी ने जनता की आर्थिक स्थिति से बाहर निकालने का आश्वासन दिया था।

(2)



Group - C

30. Ans

Non Aligned Movement:-

द्वन्द्ववाद आंदोलन के जनक पंडित जवाहर लाल नेहरू थे। जिन्होंने द्वन्द्ववाद की नीति को अपनाया था। द्वितीय विश्व के बाद भारत विश्व की दो महाशक्तियों के देश संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ को प्रथम हुआ। जिन्होंने दो सैनिक गट को निर्माण किया। संयुक्त राज्य अमेरिका ने Nato का गठन 1949 ई. में और सोवियत संघ ने Warsaw Pact का गठन 1955 ई. में किया था। दोनों महाशक्तियों चाहती थी की कई राज्य उनके गट में शामिल होकर एक - दूसरे से शक्तिशाली बनें।

★ द्वन्द्ववाद का मुख्य अर्थ :-

- (i) किसी भी राज्य का कौनों महाशक्तियों के सैनिक गट से जुट रहना।
- (ii) विश्व के सभी राज्यों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना।



संस्कृत
प्रश्नोत्तर

(iii) साथ ही अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रगति करती रहना।

(iv) साथ ही साथ गुलनिरपेक्ष आंकड़ों के दौरान सभी के साथ मधुर संबंध स्थापित करना। जैसे - भारत।

★ Conclusion - गुलनिरपेक्ष आंकड़ों के लक्षण ऐसी नीति है जो सैनिक गुल से दूर रहकर अपना विकास करती है।

29.

Operation Desert Storm :-

1990 ई० में इराक ने कुवैत पर हमला किया तथा बड़ी ही तेजी से उस पर कब्जा भी कर लिया था।

इराक को समझाने के सभी राजनीतिक कार्रवाई विफल हो गये थे। तब सुरक्षा परिषद तथा संयुक्त राष्ट्र के संघ के अनुसार कुवैत को मुक्त कराने के



लिए बल प्रयोग की अनुमति दे दी
गयी।

तत्पश्चात् अमेरिका
की अहम भूमिका 1991 ई०
में शुरू हुई तथा संयुक्त
राष्ट्र संघ ने इसका नाम
Operation Desert Storm रखा
गया।

3

28. "Name all the permanent members
of the Security Council" :-

सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र संघ
की एक प्रमुख (key) है। जिसमें
वर्तमान में 15 सदस्य
हैं।

10 अस्थायी सदस्य
देश तथा 5 स्थायी सदस्य देश
हैं।

★ Five Name of the permanent
members :-

(i) अमेरिका (America)



(i) रूस (Roush)

(ii) फ्रांस (France)

(iii) चीन (Chin)

(iv) इंग्लैंड (England)

इन पाँच स्थायी सदस्य देशों को ~~को~~ Veto power प्राप्त है।
को ~~को~~ Veto का उपयोग कर सकते हैं।

7

27.

Four threats to the global environment

ग्लोबल पर्यावरण पर मंडरते चार खतरों निम्नलिखित हैं :-

Environment को ~~को~~ रक्षा करना हम सभी लोगों का ~~हम~~ कार्य है। जिसके कारण हमें ~~हमें~~ उपन क्रियाकलापों पर ~~हमें~~ नियंत्रण रखना आवश्यक है।

★ Four threats :-



(i) आष प्रदूषण के कारण पर्यावरण प्रदूषित हो रही है जिसमें मुख्य भूमिका मानव निभा रहे हैं। अपनी मानवीय क्रियाकलापों के कारण ~~Environment~~ को प्रदूषित कर रहे हैं। हिमालय पिघल रही है।

(ii) वैश्विक पर्यावरण में बढ़ती प्रदूषण के कारण ओजोन परत में छिद्र हो रहा है।

(iii) ओजोन परत में छिद्र होने के कारण पराबैंगनी किरण फैल रही है।

(iv) पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ने के कारण ऑक्सीजन में कमी हो रही तथा कार्बन डाइऑक्साइड CO_2 की मात्रा बढ़ रही है।

(v) पर्यावरण में पेड़ों तथा जीव-जंतुओं के उन्मूलन से पर्यावरण असंतुलन हो रहा है।

(vi) वैश्विक पर्यावरण में औद्योगिक कारखानों के दूषित पाल का खतरा



Q ~~पैदा हो रही है।~~

26. ~~सब~~ भारत के आयना आयोग की स्थापना 5 जून 1950 ई० में हुई थी।

आयना आयोग के निम्नलिखित दो कारणों वस प्रकार हैं :-

(i) आयना आयोग ~~National Income~~ के आधार पर ~~राज्य का~~ विकास करती है तथा किसी भी देश के लिए आयना अधिकारी के द्वारा एक आयना तयार की जाती है।

Q (ii) आयना आयोग के अंतर्गत सरकारी नीति का भी अहम भूमिका है जो आयना की जांच करके उसे क्रियान्वित करता है।

25 मच! भारत में आयना आयोग की स्थापना श्रीमती वीरि गंधी ने 25 जून 1975 ई० में कारवीरकीन अली के सिपारसो पर हुई थी।



(i) आपातकाल की घोषणा देश में
लेप ल ल ल तथा स्वाध पकार्य
के बड़े काम के कारण हुई।

(ii) आपातकाल की घोषणा दुष्परात
में नट निमाणी आंकोमन तथा
बिहार आंकोमन के कारण
हुई थी।

24. गठबंधन राजनीति की या की स्त्री
अधिक दली को मिलाकर
बनाया जाता है जिसमें एक
आइना कार्यक्रम खया क एक
सर्वमान्य नेता होता है। उसे
गठबंधन की राजनीति कहते
हैं।

(i) गठबंधन के कारण दली के
बीच मतभेद पैदा होती हैं।

(ii) गठबंधन के कारण दली का
उद्देश्य पुरा नहीं हो पाता
है।

(iii) गठबंधन एक क उद्देश्य के लिए
ही होती है।



(ii) शोकसेन भारतीय राजनीति के लिए एक खतरा माना जाता है।

23.

संप्रदायवाद भारत के लिए एक खतरा है। जो मानव व्यक्तित्व को कलंकित कर देता है उसे हम संप्रदायवाद कहते हैं।

★ चार दुस्परिणाम :-

(i) संप्रदायवाद में राजनीति पर काफी बुरा प्रभाव प्रभाव पड़ा है।

(ii) आज धर्म के नाम पर चुनाव हो रही है।

(iii) संप्रदायवाद के कारण गरीबी फैल गयी है।

(iv) संप्रदायवाद धर्म पर आधारित एक गलत अवधारणा माना जाता है।

24. आतंकवाद एक घातक पहुँचाने वाला एक समस्या है जो मानव जाति को शिकार



बनाकर उसे प्रसारित करने के
आज वर्तमान में आतंकवाद की
जड़ फैल रही है।

(i) आतंकवाद सभी जगह अपने-
प्रभाव की एक भयानक रूपरेखा
की तरह फैल रही है।

(ii) आतंकवाद एक हमले के द्वारा
जैसे घातक समस्याओं का
उत्पन्न करने है।

(iii) आतंकवादी हमले के कारण आज
सरकार भी होश बंद नहीं
उठा पा रही है।

(iv) आतंकवादी एक संगठित गैर
की तरह फैल रही है, जो
मानव जालों का जाल है।
का शिकार बना रही है।

21. भारत और पाकिस्तान के बीच
बदमाश समस्या एक जटिल
समस्या है, जो सरकार
विपक्षीय वर्गों के कारण
बदमाश समस्या को सुलझाने
की कोशिश की है परंतु



आज तक इसका ठीस परिणाम
नहीं निकल सका)

इ.स. १९४७ में राजा हर सिंह ने
करमीर की विलय पत्र पर
हस्ताक्षर करके भारत में
मिला दिया किंतु पाकिस्तान
ने यह आपत्ति की राजा
ने भारत के ढेबाब में आवृत्ति
होना किया। कलकत्ता १९४८ ई.स. में
शुद्धा परिषद् ने इस समस्या
को लोकनिर्णय के द्वारा
हल किया जाना चाहिए।

भारतीय स्वतंत्रता
आधिनियम १९४७ के प्रावधानों
के अनुसार पाकिस्तान को
यह आपत्ति नहीं करना
चाहिए इसे करमीर को वह
भाग छोड़ देना चाहिए जो
इसके अर्ध हिस्से में है योंकि
करमीर पूरा भारत का अभिन्न
अंग है।

Group - B

20.

जय जवान - जय किसान का
नारा लाल बहादुर शास्त्री
ने दिया था।



(i) किसानों के वैतन भरने की बढ़ाने हेतु तथा जमीनदारी प्रथा को समाप्त करने हेतु इस आंदोलन की शुरुआत की गई।

(ii) किसानों की अपने हक की माँग तथा कृषि के क्षेत्र में लाभ प्रदान करने हेतु इस आंदोलन की शुरुआत की गई।

19. विष्णु के प्रमुख धार्मिक गुरु का नाम "कलाई लामा" के नाम से जाना जाता है। वे मुस्लिम धर्म से संबंधित थे।

18. भारत के दलित आंदोलन के जनक और लोक साविधान के निर्माता "डॉ. भीम राव अम्बेडकर" थे। उनकी बचाओ आंदोलन के उस प्रतीक नाम "संघा पार्टीकर" है।



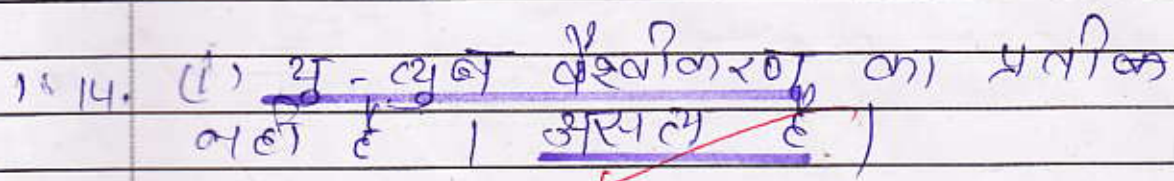
17.) भारत में आपातकाल की घोषणा इंदिरा गाँधी के द्वारा कारवीरुद्दीन अली के सिकारिए पर 25 जून 1975 ई० को लागू किया गया था।

16. भारत चीन युद्ध 1962 ई० में हुआ था। उस समय भारत के प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री थे।

15. महात्मा गाँधी के दो प्रमुख सिद्धांतों के नाम इस प्रकार हैं :-

(i) भारत प्रायः अहिंसा के मार्ग पर चले।

(ii) सभी को प्रायः सत्य बोलना, सुनना एवं देखना चाहिए।



(iii) मॉलर लाइविस वैश्वीकरण प्रतीक
असत्य है

13. "September 2001" \$0 ans

~~मुंबई हॉटेल हमला~~ - 26 November . 26/11

12. = श्री लंका का Lite संगठन था।
जो प्वातिय संधर्ष से संबोधित था

11. Tumeham अमेरिकी राष्ट्रपति
लथा गोबिन्द सर्वोच्चत राष्ट्रपति
-को ।

"जय माँ सरस्वती:-"

